Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-411

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B.A. Yoga Science, (Semester : Fourth)

संस्कृत

संस्कृत–व्याकरणम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ''महत्'' तथा ''योषित्'' शब्दों के रूप सभी विभक्तियों में लिखिए।
2. ''अजाद्यतष्टाप्'' तथा '' उगितश्च'' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
3. तत्पुरुष समास को सूत्रोदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
4. ''तुमुन्ण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्'' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए –

   ''शिष्टों अर्थात् सज्जनों के आचार को शिष्टाचार कहते हैं। सज्जन पुरुष सदा दूसरों का उपकार करते हैं। अपने से बडों का आदर और सम्मान करते हैं। मधुर वचन बोलते हैं। प्रत्येक मनुष्य को शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। उसका कर्तव्य है कि वह बड़ों की आज्ञा का पालन करे। असत्य न बोले। निरर्थक विवाद न करे।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. ''पयस्'' शब्द का रूप प्रथमा विभक्ति से पंचमी विभक्ति पर्यन्त लिखिए।
2. ''यूनस्तिः'' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. समास-विग्रह कीजिए –

   (क) कृष्णसर्पः (ख) नीलोत्पलम् (ग) सुपुरुषः

   (घ) त्रिभुवनम् (ङ) पञ्चपात्रम्।
4. समास कीजिए –

   (क) महान् चासौ देवः। (ख) मुखमेव कमलम् (ग) कुत्सितः पुरुषः।

   (घ) त्रयाणां लोकानां समाहारः। (ङ) पुरुषः व्याघ्र इव।

5. "भावे" सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
6. हिन्दी में अनुवाद कीजिए –

"सताम् आचारः सदाचारः इत्युच्यते। सज्जनाः यथा आचरन्ति तथैव आचरणं सदाचारो भवति। सज्जनाः सत्यं वदन्ति, असत्यभाषणाद् विरमन्ति, सत्कर्मणि प्रवृत्ता भवन्ति असत्कर्मभ्यश्च निवृत्ता भवन्ति। अतः सवैः सदा सदाचारः पालनीयः।।

खण्ड–ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. "योषित्" शब्द है .....
   (अ) हलन्त पुल्लिंग (ब) हलन्त स्त्रीलिंग
   (स) हलन्त नपुंसकलिंग (द) इनमें से कोई नहीं
2. भूभृत् का क्या अर्थ है .....
   (अ) पर्वत (ब) पिता
   (स) घर (द) वाणी
3. "गौरी" में कौन–सा प्रत्यय है .....
   (अ) टाप् (ब) ङीष्
   (स) ङीष् (द) इनमें से कोई नहीं
4. अधोलिखित में किस शब्द में ङीष् प्रत्यय नहीं है .....
   (अ) भवती (ब) इत्वरी
   (स) पचन्ती (द) गार्ग्यायणी
5. 'अन्यपदार्थप्रधान' समास कौन–सा है .....
   (अ) तत्पुरुष (ब) कर्मधारय
   (स) अव्ययीभाव (द) बहुव्रीहि
6. अधोलिखित में से कर्मधारय समास का उदाहरण है .....
   (अ) कृतकृत्यः (ब) घनश्यामः
   (स) शताब्दी (द) पाप्तोदकः
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी के लेखक का नाम क्या है .....
   (अ) पाणिनि (ब) पतञ्जलि
   (स) भट्टोजिदीक्षित (द) वरदराज
8. रचनानुवादकौमुदी के लेखक का नाम है .....
   (अ) आचार्य कात्यायन (ब) आचार्य हरिगोपाल
   (स) डॉ. कपिलदेव द्विवेदी (द) पं. युधिष्ठिर मीमांसक
9. "अयुतम्ः" शब्द का क्या अर्थ है .....
   (अ) सौ (ब) हजार
   (स) दस हजार (द) लाख
10. "परश्वः" का क्या अर्थ है?
   (अ) आगामी दिन (ब) आगामी परसों
   (स) विगत दिन (द) विगत–परसों

----------X----------